IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

डॉ.(श्रीमती)रीमा देवांगन
सहायक प्राध्यापक (शिक्षा संकाय)
सेटं थॉमस महाविद्यालय,
भिलाई, (छ.ग.)

श्रीमती संगीता चंद्राकर
उच्च वर्ग शिक्षक,
शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला,
सुपेला, भिलाई, (छ.ग.)

साराशं

प्रस्तुत अध्ययन मे छत्तीसगढ़ के शिक्षको के स्वप्रत्यक्षीकरण का उनकी व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन हते ु दुर्ग जिले के 600 शिक्षको का स्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा लिया गया है। शिक्षको के स्वप्रत्यक्षीकरण के मापन हेतु श्री के. जी. अगव्र ाल द्वारा निर्मित स्वप्रत्यक्षीकरण मापनी (Scale Measuring Self Perception) का उपयागे किया गया तथा व्यावसायिक प्रतिबद्धता के मापन हते ु श्री रविदं र कौर, सरबजीत कारै एवं सरबजीत कौर बरार द्वारा निर्मित व्यावसायिक प्रतिबद्धता मापनी (Professional Commitment Scale) का उपयागे किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण हते ु प्रसरण विश्लेषण की गणना की गई। अध्ययन के निष्कर्ष यह बताते हैं कि शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण का उनके व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर साथर्क प्रभाव पाया गया।

प्रस्तावना

जीवन में शिक्षा के महत्त्व का भलीभाँति समझा जा सकता है। शिक्षा ही जीवन का एक आधार प्रदान करती है। समाज का सही दिशा एव देश का बेहतर भविष्य की आरे गतिमान बनाय रखना शिक्षा के अभाव में अकल्पनीय है। यदि लागे शिक्षित नहीं होंगे ता न ता व स्वयं का निर्माण कर सकेगं और न ही अपने समाज व देश का। शिक्षा जीवन की वह पूँजी है, जिसे मानव कभी खा नहीं सकता। शिक्षा किसी मानव की एक एसे ी पूँजी है, जिसे उससे न ता काइ ं चुरा सकता है और न ही लूट सकता है, बल्कि यह तो एकमात्र ऐसी बहुमूल्य पूँजी है जा बॉटं ने से भी कम नहीं होती। बिना शिक्षा के मानव जीवन का स्वरुप कैसा होता, इस बात की कल्पना भी भयभीत कर देती है। विश्वपटल पर आज जितने भी देश अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ शक्ति संपन्न देश के रूप में पहचान बनाय हुए हैं, उनके स्तर का इस ऊँचाई तक ले जाने में शिक्षा की ही महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है, क्यूँकि उन सभी देशां ने शिक्षा के मल्ू य एवं शक्ति का समझा और ये माना कि शिक्षित जन ही उन्नति का सही आधार ह।ै इस तथ्य का समझते हुए जैसे–जैसे देश अपने शिक्षा तंत्र को मजबूत करते गए, वैसे–वसै प्रगतिपथ पर अन्य देशां की अपक्षे ाा उनकी गति भी तेज होती चली गई। अतः शिक्षा का उन्नति एव सम्पन्नता का आधार कहना अतिश्योक्ति नही हागे ा।

प्राचीन युग की गुरुकुल व्यवस्था से आज की आधुनिक युग की शिक्षा प्रणाली में शिक्षक हमेशा ही आने वाली पीढ़ी का आकार देने में समर्पित एव प्रतिबद्ध रह हैं। उन्हे हमेशा ही इस तथ्य का ज्ञान रहा है कि उनके हाथ में केवल विद्यार्थियो का भविष्य ही नहीं, अपितु राष्ट्र का भविष्य भी निर्भर है और विद्यार्थियों की सफलता में व स्वयं की सफलता की छवि देखते आय हैं। वर्तमान परिवेश में शिक्षा ने भले ही व्यवसाय का रूप ले लिया है, किन्तु शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में काइ ं कमी कदापि नहीं आई है। एक शिक्षक निरंतर विद्यार्थियो का कठिन से कठिन परीक्षा के लिए तैयार करने हते ु समर्पित रहता है, ताकि वे आग चलकर हर चुनौती का सामना व्यक्तिगत, सामाजिक व व्यावसायिक स्तर पर सफलतापूर्वक कर सकं। व्यावसायिक प्रतिबद्धता के अलावा शिक्षक में स्वप्रत्यक्षीकरण का तत्त्व भी अन्तर्निहित होता है। स्वप्रत्यक्षीकरण एक ऐसी भावना है, जा शिक्षको का उनके दायित्वो के निर्वाहन के लिए प्रेरित करती है। किसी शिक्षक में स्वप्रत्यक्षीकरण का स्तर जितना ऊँचा होगा, उतनी ही प्रभावी उसकी शिक्षण कुशलता भी हागे ी।

उद्देश्य

1. शिक्षको ं के स्वप्रत्यक्षीकरण, लिंग, विद्यालय के प्रकार एव ं उनकी अंतक्रिया का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पना

H_1 शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ा।

H_2 शिक्षकों के लिंग का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर काइे ं सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

H_3 शिक्षकों के विद्यालय के प्रकार का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर काइे ं सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ा।

H_4 शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण का लिंग एवं उनकी अंतक्रिया का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर काइे ं सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ा।

H_5 शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण का विद्यालय के प्रकार एव ं उनकी अंतक्रिया का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ा।

H_6 शिक्षकों के लिंग, विद्यालय के प्रकार एवं उनकी अंतक्रिया का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ा।

H_7 शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण, लिंग, विद्यालय के प्रकार एव ं उनकी अंतक्रिया का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ा।

अध्ययन की परिसीमा

1. प्रस्तावित अध्ययन में केवल दुर्ग जिले के तीन विकासखंड (दुर्ग, पाटन एवं धमधा) के शिक्षकों का ं चयनित किया जायेगा।
2. प्रस्तावित शाधे ा अध्ययन में दुर्ग जिले के शासकीय एव ं अशासकीय विद्यालयों को न्यायदर्श के रूप में लिया जायगे ा।
3. प्रस्तावित अध्ययन केवल शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयो ं के शिक्षकों तक सीमित है।

शाधे विधि

न्यादर्श

न्यादर्श हेतु दुर्ग जिले के 3 विकास खण्डो ं (दुर्ग, पाटन एव ं धमधा) के 600 शिक्षकों का चनु ाव सर्वेक्षण विधि द्वारा किया गया।

उपकरण प्रस्तुत शाधे ा अध्ययन हते ु शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण के मापन हते ु श्री के. जी. अग्रवाल द्वारा निर्मित स्वप्रत्यक्षीकरण मापनी (Scale Measuring Self Perception) का उपयागे किया गया तथा शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता के मापन हते ु रविंदर कारै , सरब जीत कौर रानू एव ं सरब जीत कारै बरार द्वारा निर्मित व्यावसायिक प्रतिबद्धता मापनी (Professional Commitment Scale) का उपयागे किया गया।

प्रदत्तों का साख्यिकी विश्लेषण एवं व्याख्या

संकलित प्रदत्तों का सांख्यिकी विश्लेषण हते ु **2X2X2** त्रिदिश प्रसरण विश्लेषण की गणना की गई है:

H_1 शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ा।

तालिका क्रमांक–1

शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण, लिंग, विद्यालय के प्रकार के लिए **2X2X2** के प्रसरण विश्लेषण का साराशं ा

स्त्रोत	वर्गों का योग	df	वर्ग का औसत	F
स्वप्रत्यक्षीकरण	1.110	1	1.110	4.640*
लिगं	1.116	1	1.116	4.555*
विद्यालय के प्रकार	.337	1	.337	1.411●
स्वप्रत्यक्षीकरण * लिंग	.115	1	.115	0 .481●
स्वप्रत्यक्षीकरण * विद्यालय के प्रकार	.048	1	.048	0.202●
लिंग * विद्यालय के प्रकार	.074	1	.074	0.309●
स्वप्रत्यक्षीकरण * लिंग * विद्यालय के प्रकार	.053	1	.053	0.220●
त्रुटि	142.298	595	.239	
योग	1695.000	603		
संशोधित योग	144.272	602		

***0.05** स्तर पर सार्थकता

तालिका क्रमांक–1 के निरीक्षण से यह स्पष्ट होता है कि स्वप्रत्यक्षीकरण के लिए F का मान 4.640, df 1/595 है, जा ` 0.05 स्तर पर सार्थक है। सरल शब्दों में कहा जाय ` ता ` शिक्षको ं के स्वप्रत्यक्षीकरण का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता पर सार्थक प्रभाव पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना ''शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण, लिंग, विद्यालय के प्रकार एव ं उनकी अंतक्रिया का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता पर काइ ं सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाएगा'' को अस्वीकृत किया जाता है। स्पष्ट है कि निम्न एव ं उच्च स्वप्रत्यक्षीकरण वाले शिक्षकों का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता के मध्यमान अंक मे ं सार्थक अंतर पाया जायेगा। यह स्पष्ट ह ै कि निम्न स्वप्रत्यक्षीकरण वाले शिक्षको ं का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता का मध्यमान 31.25 प्राप्त हुआ है एव ं उच्च स्वप्रत्यक्षीकरण वाले शिक्षकों का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता का मध्यमान 32.03 प्राप्त हुआ है। इस कथन से यह स्पष्ट होता है कि निम्न स्वप्रत्यक्षीकरण वाले शिक्षकों का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता का मध्यमान उच्च स्वप्रत्यक्षीकरण वाले शिक्षकों के व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता की तुलना में निम्न पाया गया।

H_2 शिक्षकों के लिंग का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर काइ ं सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा। तालिका क्रमांक–1 के निरीक्षण से यह स्पष्ट होता ह ै कि लिंग के लिए F का मान

4.555, df 1/595 है, जा ` 0.05 स्तर पर सार्थक है। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षको ं के लिंग का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर सार्थक प्रभाव पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना ''शिक्षकों के लिंग का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर साथर्क प्रभाव नहीं पाया जाएगा'' का ` अस्वीकृत किया जाता है। स्पष्ट ह ै कि शिक्षकों के लिंग का व्यावसायिक प्रतिबद्धता के मध्यमान अंक में अंतर पाया जायगे ा। तालिका से यह ज्ञात होता है कि महिला शिक्षकों का व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान 33.38 प्राप्त हुआ है एव ं पुरुष शिक्षको ं का मध्यमान 33.72 प्राप्त हुआ है। इस कथन स ` यह स्पष्ट होता है कि महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता पुरुष शिक्षको ं की तुलना मे ं निम्न पाई गई।

H_3 शिक्षकों के विद्यालय के प्रकार का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर काइ ं सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ा।

तालिका क्रमांक–1 के निरीक्षण से यह स्पष्ट होता है कि विद्यालय के प्रकार के लिए F का मान 1.411, df 1/595 है, जो किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षको ं के विद्यालय के प्रकार का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना ''शिक्षकों के विद्यालय के प्रकार का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता पर साथर्क प्रभाव नहीं पाया जाएगा'' को स्वीकृत किया जाता है।

H_4 शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण का लिंग एवं उनकी अंतक्रिया का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर काइे सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ।।

तालिका क्रमांक–1 के निरीक्षण उपरातं यह ज्ञात होता है कि स्वप्रत्यक्षीकरण एवं लिंग के मध्य अंतक्रिया के लिए F का मान 0.481, df 1/595 है, जो किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है, अर्थात् शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण एवं लिंग के मध्य अंतःक्रिया का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना ''शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण, लिंग एव ं उनकी अंतक्रिया का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता पर काइे सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाएगा'' को स्वीकृत किया जाता है।

H_5 शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण का विद्यालय के प्रकार एव ं उनकी अंतक्रिया का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ।।

तालिका क्रमांक–1 के निरीक्षण उपरांत यह ज्ञात होता है कि स्वप्रत्यक्षीकरण एव ं विद्यालय के प्रकार के मध्य अंतक्रिया के लिए F का मान 0.202, df 1/595 है, जो किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है, अर्थात् शिक्षको ं के स्वप्रत्यक्षीकरण एवं विद्यालय के प्रकार के मध्य अंतक्रिया का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना ''शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण, विद्यालय के प्रकार एवं उनकी अंतक्रिया का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाएगा'' का स्वीकृत किया जाता है।

H_6 शिक्षकों के लिंग, विद्यालय के प्रकार एवं उनकी अंतक्रिया का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ।।

तालिका क्रमांक–1 के निरीक्षण उपरांत यह ज्ञात होता है कि लिंग एव ं विद्यालय के प्रकार के मध्य अंतक्रिया के लिए F का मान 0.309, df 1/595 है, जो किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है, अथार्त् शिक्षको ं के लिंग एव ं विद्यालय के प्रकार के मध्य अंतक्रिया का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना ''शिक्षकों के लिंग, विद्यालय के प्रकार एवं उनकी अंतक्रिया का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता पर काइे सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाएगा'' का स्वीकृत किया जाता है।

H_7 शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण, लिंग, विद्यालय के प्रकार एव ं उनकी अंतक्रिया का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ।।

तालिका क्रमांक–1 के निरीक्षण उपरातं यह ज्ञात होता है कि स्वप्रत्यक्षीकरण लिंग एव ं विद्यालय के प्रकार के मध्य अंतक्रिया के लिए F का मान 0.220, df 1/595 है, जो किसी भी स्तर पर साथर्क नहीं है, अर्थात् शिक्षको ं के स्वप्रत्यक्षीकरण, लिंग एवं विद्यालय के प्रकार के मध्य अंतक्रिया का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना ''शिक्षको ं के स्वप्रत्यक्षीकरण, लिंग, विद्यालय के प्रकार एवं उनकी अंतक्रिया का व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नही ं पाया जाएगा' का स्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्ष

प्रदत्तों के सांख्यिकी विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष पाया गया है कि

1. शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव पाया गया।
2. शिक्षकों के लिंग का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर काइे र्सार्थक प्रभाव पाया गया।
3. शिक्षकों के विद्यालय के प्रकार का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ा।
4. शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण का लिंग एव ं उनकी अंतक्रिया का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ा।
5. शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण का विद्यालय के प्रकार एव ं उनकी अंतक्रिया का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ा।
6. शिक्षकों के लिंग, विद्यालय के प्रकार एवं उनकी अंतक्रिया का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ा।
7. शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण, विद्यालय के प्रकार एवं उनकी अंतक्रिया का व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायगे ा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सचूी

1. सहमन बार्गे (2001) – शिक्षकों के व्याकरण पर आत्मधारणा और व्यावसायिक प्रतिबद्धता पर प्रभाव, ई. एल. टी. जर्नल्स, 55(1),21–29
2. श्रीवास्तव डी. एन. (2009) – सामाजिक मनोविज्ञान, साहित्य प्रकाशन, आगरा
3. पुरकर एस. (2011) – विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति तथा स्वप्रत्यक्षीकरण के प्रभाव का अध्ययन, पी. एच. डी. थीसिस, पं. रविशकं र शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपरु
4. देवांगन, रीमा (2014) – शिक्षकों के स्वप्रत्यक्षीकरण का नेतृत्व व्यवहार एवं समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन, पी. एच. डी. थीसिस, पं. रविशकं र शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
5. झोम (2016) – भावनात्मक एवं व्यावसायिक अभिवृत्ति पर व्यावसायिक प्रतिबद्धता का प्रभाव, एडुटेक 2 (3) 55–57
6. माथुर, डा. एस. एस. – सामाजिक मनोविज्ञान, साहित्य प्रकाशन, प्रथम सस्ं करण